

25/07/24

पगाली पेरा हुई

वाहीगावा आखिबक्ता अनुपारखेत ।

ज्यावामय समय में वाहीगावा वकील

को खण्ड - एक कर तीन बार आवाजे

सगाई छाई लेकिन वाहीगावा की ओर

से कोई उपारखेत नहीं आया . अतः

वाहीगावा का वाह अहम पेरागी-अहम

हाजरी में खरीज किया जाता है .

पगाली केसल सुमार होकर हाखिल

दुपार हो । नखर से कम हो ।

सहायक कलक्टर
(फास्ट ट्रेक) चौहटन

